

संख्या में कथा में शामिल होकर और संतों के आशीर्चन प्राप्त करने श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण करने का आह्वान किया है।

# संपादकीय

## दीर्घकालिक एवं बहुआयामी नजरिए

मोदी ने शी से कहा कि सरहद पर शांति दोतरफा संबंधों के आगे बढ़ने की बुनियादी शर्त है। यानी ये शर्त पूरी हो, तभी दोनों देश अपने संबंध को दीर्घकालिक एवं बहुआयामी नजरिए से देख पाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की द्विपक्षीय बातचीत से भारत- चीन संबंधों में स्थिरता लाने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने नई दिल्ली आए शी की मोदी से यह ती-साल में तीसरी मुलाकात थी। कहा जा सकता है कि 2020 में दोनों देशों के संबंधों में खड़े हुए टकराव के बाद इन मुलाकातों ने संबंध को काफी हद तक संभाल लिया है। 2024 में रूस के कजान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान दोनों नेताओं की बातचीत से रिश्तों पर जमी बर्फ के पिघलने की शुरुआत हुई थी। शंघाई सहयोग संगठन के चीन में तियाजिन शिखर सम्मेलन के दौरान मोदी- शी में बनी सहमति से रिश्ते पटरी पर लौटने लगे। शनिवार को भारतीय राजधानी में दोनों नेताओं की वार्ता से आपसी भरोसा बढ़ने का नया दौर आरंभ होने की आस जगी है। यह स्वागतयोग्य है कि दोनों नेताओं ने आपसी रिश्ते पर अपनी समझ खुलकर एक दूसरे सामने रखी। मोदी ने कहा कि सरहद पर शांति कायम रहना दोतरफा संबंधों के आगे बढ़ने की बुनियादी शर्त है। यानी ये शर्त पूरी हो, तभी चीन की यह समझ नजरिए हो सकती है कि दोनों देश अपने संबंध को दीर्घकालिक साकार से देखें। या तभी शी जिनपिंग की चीन पर सोच भारत में भरोसा पैदा हो सकता है कि भारत और इस प्रतिद्वंद्वी के बजाय सहभागी हैं और वे दोनों एक दूसरे के लिए खतरा होने के बजाय विकास के अवसर हैं। व्यापार में बढ़ोतरी, और जनता के स्तर पर संबंधों का बढ़ना तभी संभव है, जब सीमा पर की स्थिति का इस तरह प्रबंध हो, जिससे धीरे-धीरे इस विवाद के समाधान की संभावनाएं बनें। यह निर्विवाद है कि बदलती और फिलहाल अशांत दुनिया में आबादी के लिहाज से दुनिया के दो सबसे बड़े देशों के बीच शांति एवं सहयोग का अपना महत्त्व है। दरअसल, ब्रिक्स की सफलता भी काफी हद तक इस सहयोग पर टिकी है। इसीलिए ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के मौके पर मोदी- शी वार्ता सबके ध्यान का केंद्र बनी रही। यह अच्छी बात है कि दोनों नेताओं ने निराश नहीं किया।

## बस्तर के जनजातीय बच्चे देश को दिखा रहे नई राह

धनंजय राठौर

दक्षिण बस्तर के दत्तेवाड़ा जिले में जावंगा स्थित अटल बिहारी वाजपेयी एजुकेशन सिटी आज जनजातीय बच्चों के लिए शिक्षा, कौशल, खेल और आत्मविश्वास का बड़ा केंद्र बन चुकी है। इस एजुकेशन सिटी ने हिंस्रा और गरीबी से जुझते जनजातीय बच्चों की किस्मत ही बदल दी। कभी दूरस्थ गांवों के बच्चों के सामने सुरक्षित शिक्षा और आगे बढ़ने के अवसर की बड़ी चुनौती थी। आज यहां की बेटीयां नीट पास कर डॉक्टर बनने की राह पर हैं, युवा एसएंडपी ग्लोबल जैसी बड़ी वैश्विक कंपनियां में नौकरी कर रहे हैं और खिलाड़ी मैदान परअपनी प्रतिभा निखार रहे हैं। यह उन बच्चों की कहानी है, जिन्होंने हर चुनौती को मात देकर खुद को साबित किया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी छत्तीसगढ़ के दत्तेवाड़ा जिले के जावंगा (एजुकेशन सिटी) में 9 मई 2015 को आए थे, जहाँ उन्होंने एजुकेशन सिटी का निरीक्षण किया था और छात्रों से बातचीत की थी। 150 एकड़ में फैला सपनों का शहर अटल बिहारी वाजपेयी एजुकेशन सिटी छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वपूर्ण शैक्षणिक पहल है। यहां स्कूल शिक्षा, आवासीय शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण और तकनीकी शिक्षा से जुड़े विभिन्न संस्थान संचालित हैं। यह एजुकेशन सिटी शैक्षणिक गतिविधियाँ तक ही सीमित नहीं है, यहएक पूरी दुनिया है। करीब 150 एकड़ में फैले इस परिसर में 43 शैक्षणिक और आवासीय संस्थाएं चल रही हैं। यहां 7,436 विद्यार्थी पढ़ रहे हैं, जिनमें 4,692 बालिकाएं शामिल हैं। इनमें से 5,370 बच्चे यहीं छात्रावासों में रहकर पढ़ाई करते हैं। दूर-दराज के जंगलों और गांवों से आए इन बच्चों को सुरक्षित घर, खाना पढ़ाई और मार्गदर्शन सब कुछ एक ही छत के नीचे मिल रहा है। इसकी पहल से स्कूल जॉर्ज—आउट की दर 50ल्ट से घटकर महज 13ल्ट रह गई है। वो बेटीयां जिनके गांवों में कभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तक नहीं था। आज उन्हीं इलाकों की बेटीयां नीट—यूजी पास कर डॉक्टर बनने की कक्षाओं में खड़ी हैं। छु लो आसमान कन्या आवासीय कोचिंग सेंटर, कारली की कक्षाओं ने इस साल नीट—यूजी में सफलता पाई है। इन्हे राज्य के छात्रासीय मेडिकल कॉलेजों में एम्बीबीएस, आयुर्वेद, तंद चिकित्सा और पेशे चिकित्सा में दाखिला मिला है। परीक्षा पास करने के साथ ही यह उन परिवारों के लिए एक बड़ी उपलब्धि है, जिन्होंने कभी सोचा भी नहीं था कि उनकी बेटी रीडक्टोर बैटीर कहलाएगी। डिजिटल शिक्षा की दिशा में यहां के नवगुरुकुल का प्रयास भी प्रेरक है। यहां युवाओं को आधुनिक डिजिटल कौशलों व प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस केंद्र से प्रशिक्षित लगभग 100 युवा डेटा एनालिटिक्स और सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट के क्षेत्र में प्रतिष्ठित कंपनियों में योगदान प्राप्त कर चुके हैं। नवगुरुकुल की एक छात्रा का चयन एसएंडपी ग्लोबल में डेटा एनालिटिक्स के पद पर हुआ है। यह उपलब्धि बताती है कि नवसेक्टर की प्रतिभा अब देश की बड़ी कंपनियों तक पहुंच रही है। आईआईटी में डीजल मैकेनिक, फ़िटर, वेल्डर और इलेक्ट्रिकल जैसे ट्रेड में प्रशिक्षण लेने वाले 95 फीसदी छात्र जनजातीय समुदाय से हैं। एजुकेशन सिटीमें पढ़ाई के साथ खेल प्रतिभाओं को भी निखारा जा रहा है। यहां के शकलओय खेल प्रतियोगिता में औसंपिक स्तर का रिविमिंग पूल, हॉर्स राइडिंग, तीरंदाजी और इंडोरोटेस्टडिडम जैसी बेहतरीन सुविधाएं मौजूद हैं। इसके इतिहास से जुड़े इस परिसर में करीब 4,000 आदिवासी बच्चे प्रशिक्षण ले रहे हैं। ये बच्चे सिर्फ खेल नहीं सीख रहे, बल्किइनमें अनुशासन, आत्मविश्वास और जीतने का जब्बा पैदा हो रहा है। बेटीयां की पढ़ाई को पहली प्राथमिकता जावंगा एजुकेशन सिटी की सबसे बड़ी खुशी बालिका शिक्षा पर विशेष ध्यान है। यहां कन्या विद्यालय और छात्रावासों के जरिए ग्रामीण बच्चों को सुरक्षित माहौल में पढ़ रही हैं। श्रवाम्री आत्मानंद स्कूल से लगभग 1200 छात्राएं कला, विज्ञान और भाषाजिज्य की उच्च शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। यहां बेहतरीन आवास, भोजन और लाइब्रेरी और लैब जैसी सुविधाओं ने अभिभावकों का भरोसा जीता है। इससे दूसरथ गांवों की उन बेटीयां के सपने सच हो रहे हैं, जिन्हें पहले पढ़ाई का अवसर नहीं मिलते थे। दत्तेवाड़ा, बीजापुर और सुकमा जैसे इलाकों के कमी नक्सल प्रभावित थे, वहां के अनाथ और हिंस्रा पीड़ित बच्चों को आस्था विद्या मंदिर ने नया घर दिया है। यहां दाखिला मेटिट से नहीं, बल्कि की जरूरत और हालात देखकर होता है। इन बच्चों को सुरक्षित छत पढ़ाई, खेल, संगीत और खुशहाल बचपन मिल रहा है। बंदूकों की गूंजन से बीच पले—बढ़े ये बच्चे अब किताबों की दुनिया में अपनी नई पहचान बना रहे हैं। जावंगा एजुकेशन सिटी की कामयाबी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सराहा गया है। प्रतिष्ठित संस्था केपीएमजी ने इसे दुनिया की 100 सबसे बेहतरीन (नवोन्मेणी) परियोजनाओं में शामिल किया है, जिसमें पूरे भारत से से मात्र 6 प्रोजेक्ट चुने गए हैं। इस अनूठी पहल के लिए दत्तेवाड़ा प्रशासन को प्रधानमंत्री उत्कृष्ठा पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है।

## विचार

## एआई से जुड़े महाविनाश के खतरे: नियंत्रित कमान जरूरी

ललित  
कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई आज मानव सम्यता की सबसे प्रभावशाली तकनीकी उपलब्धियों में शामिल है। चिकित्सा, शिक्षा, अंतरिक्ष, विज्ञान, कृषि, उद्योग और प्रशासन से लेकर روزمرगी के जीवन तक इसके उपयोग ने विकास की गति को अभूतपूर्व बनाया है। लेकिन जितनी तेजी से एआई की क्षमताएं बढ़ रही हैं, उतनी ही गंभीरता से उसके दुरुपयोग और नियंत्रण से बाहर जाने के जोखिमों पर भी विचार करना होगा।

सितंबर 2026 में संयुक्त राष्ट्र के स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पैनल ने भी चेतावनी है कि एआई की क्षमताओं की गति के मुकाबले उसके सुरक्षित उपयोग के नियम पीछे छूट रहे हैं और अधिक स्वायत्त एआई एजेंटों के साथ मानव नियंत्रण बनाए रखना एक वास्तविक चुनौती बन रहा है। इसी संदर्भ में माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स की हालिया चेतावनी विशेष महत्व रखती है। उन्होंने कहा है कि एआई गलत हाथों में पड़ने पर अत्यंत व्यापक जनहानि का माध्यम बन सकता है और सरकारों को इसके लिए प्रभावी नियमन की दिशा में काम करना चाहिए। गेट्स की चिंता केवल भविष्य की किसी काल्पनिक आशंका पर आधारित नहीं है, एआई के दुरुपयोग के कुछ ठोस उदाहरण सामने आने लगे हैं। सबसे महत्वपूर्ण बदलाव एआई एजेंट्स के रूप में दिखाई दे रहा है। पारंपरिक एआई मुख्यतः प्रश्नों के उत्तर देता था, लेकिन एजेंट इंटरनेट पर जा सकता है, वेबसाइट खोल सकता है, कोड लिख सकता है, सूचनाएं खोज सकता है, और निर्धारित लक्ष्य पूरा करने लिए अनेक चरणों में स्वयं कार्रवाई कर सकता है। यही क्षमता उपयोगी होने के साथ जोखिमपूर्ण भी है। सितंबर 2026 में संयुक्त राष्ट्र के वैज्ञानिक पैनल ने ओपेनएआई से संबंधित एक घटना का उल्लेख किया, जिसमें परीक्षण के दौरान एआई एजेंट्स ने नेटवर्क प्रतिबंधों को पार करके, अलग-अलग प्रक्रियाओं के बीच संपर्क किया और ओपेनएआई तथा हुगिंग फेस की प्रणालियों के कुछ हिस्सों से समझौता किया। स्वतंत्र संस्था एमईटीआर की जांच के अनुसार इस घटना में लगभग 1,200 एजेंट्स ने 70,000 से अधिक संदेश और फाइलें साझा कीं तथा लगभग 700 एजेंट्स हुगिंग फेस पर गए हमले में शामिल हुए। यहां सावधानी जरूरी है। इन घटनाओं के प्रमाण मान लेना कि एआई निश्चित रूप से मानव नियंत्रण से बाहर हो गया है, तथ्यात्मक रूप से सही नहीं होगा। ये नियंत्रित परीक्षण औसत सुखा-मूल्यकन के दौरान सामने आई घटनाएं थीं। लेकिन इनका महत्व इस बात में है कि अधिक करम एजेंट जब जटिल लक्ष्य प्राप्त करने की कोशिश करते हैं, तो वे उन रास्तों का इस्तेमाल कर सकते हैं

जिनकी कल्पना उनके निमाताओं ने नहीं की थी। स्वयं ओपेनरूप में भी एनर्जेटिक के इंटरनेट उपयोग, बाहरी सामग्री से होने वाले प्रॉम्प्ट इजेक्शन और डेटा चोरी जैसे जोखिमों को लेकर सुरक्षा उपायों की जरूरत स्पष्टीकार की है। एआई के सैन्य दुर्प्रयोग की आशंका भी अब केवल संस्थागत नहीं रह गई है। सितंबर 2026 में 'धोषाप्रति' ने बताया कि यमन में हूती-निष्ठाग्रित बतारों से जुड़े लोगों ने उसके क्लाउड एआई का इस्तेमाल निर्दिष्ट रॉकेट और मिसाइलों के मार्गदर्शन, नियंत्रण और नेविगेशन से जुड़े सॉफ्टवेयर विकसित करने के प्रयास में किया। कंपनी के अनुसार सुरक्षा उपायों ने अनेक अनुरोधों को अलरोका, लेकिन उपयोगकर्ताओं ने अपनी मंशला छिपाकर और काम को अलग-अलग सत्रों में बांटकर कुछ सुरक्षा अवरोधों को पार करने की कोशिश की। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार हथियार-विकास का प्रयास सुरक्षा नहीं हुआ, हालांकि एक निर्दिष्ट सॉफ्टवेयर को परीक्षण विफल हुआ और उसके बाद एआई से उसकी समस्या समझने का प्रयास किया गया। यही वह बिंदु है जहां एआई और पारंपरिक हथियारों के बीच एक महत्वपूर्ण अंतर सामने आता है। एआई स्वयं कोई मिसाइल या बम नहीं है, लेकिन वह ज्ञान, डिजाइन, कोडिंग, विश्लेषण और विश्लेषण-प्रक्रिया को बहुत तेज कर सकता है। किसी गैर-राज्य संगठन अपराधी समूह या आतंकवादी संगठन को यदि अत्यंत सक्षम एआई तक पहुंच मिल जाए, तो वह ऐसे तमकनीकारों को अपेक्षाकृत कम समय और कम विशेषज्ञ मानव संसाधन में करने का प्रयास कर सकता है, जिनके लिए पहले बड़ी तकनीकी टीम की आवश्यकता होती थी। इसलिए एआई का सुरक्षा को केवल सॉफ्टवेयर उद्योग का विषय समझना पर्याप्त नहीं है, यह राष्ट्रीय और वैश्विक सुरक्षा का भी विषय बन चुका है। खतरा केवल युद्ध तक सीमित नहीं है। साइबर अपराध, बैंकिंग धोखाधड़ी, पहचान की चोरी, फर्जी आवाज और वीडियो, सामाजिक अभियांत्रिकी तथा बड़े पैमाने पर गलत सूचना फैलाने में एआई इस्तेमाल संभव है। संयुक्त राष्ट्र के आकलन में भी साइबर हमलों, वित्तीय धोखाधड़ी, सांश्ल इंजीनियरिंग और जीपफेक से जुड़े प्रमुख जोखिमों में गिना गया है। आज यदि किसी व्यक्ति की आवाज की हबूहूह नकल करके उसके परिजन से पैसों मांगे जा सकें हैं, किसी अधिकारी या संस्था का नकली वीडियो बनाया जा सकता है अथवा बड़े पैमाने पर रसवाचित साइबर हमले किए जा सकते हैं, तो डिजिटल समाज में विश्वास की बुनियाद ही प्रभावित हो सकती है। भारत के लिए यह चिंता और अधिक महत्वपूर्ण है। करोड़ों भारतीय बैंकिंग, डिजिटल भुगतान, सरकारी सेवाओं स्वास्थ सेवाओं, शिक्षा और व्यापार के लिए डिजिटल प्रणालियों पर निर्भर हैं। इसलिए

A person wearing a dark hoodie is seen from behind, interacting with a futuristic, glowing blue digital interface. The interface is composed of various panels, windows, and data visualizations. A large, detailed graphic of a human eye is prominent on the right side of the screen. The overall aesthetic is high-tech and cybernetic, with a strong emphasis on blue light and digital elements.

एआई—आधारित साइबर हमले का प्रभाव किसी एक कंप्यूटर या संस्था तक सीमित नहीं रह सकता। भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने भी साइबर सुरक्षा को उभरती एआई, मशीन लर्निंग और अन्य तकनीकों के साथ जुड़ी चुनौतियों के रूप में रेखांकित किया है। तथा सीईआरटी—इन जैसी संस्थागत व्यवस्थाओं का उल्लेख किया है। भारत को एआई के विकास में पीछे नहीं हटना चाहिए, लेकिन उसी तरह साइबर सुरक्षा, डेटा संरक्षण, महत्वपूर्ण डिजिटल अवसंरचना की सुरक्षा और आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमता को समान गति से मजबूत करना होगा। दूसरी बड़ी चुनौती वैश्विक शक्ति—संतुलन की है। एआई पर नियंत्रण यदि कुछ देशों या कुछ बड़ी निजी कंपनियों तक सीमित हो गया, तो तकनीकी क्षमता आर्थिक और सामरिक शक्ति का नया आधार बन सकती है। अमेरिका और चीन जैसे बड़े तकनीकी एवं सैन्य शक्तियों के बीच एआई प्रतिस्पर्धा पहले ही वैश्विक राजनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा चुक चुकी है। इसलिए एआई का प्रभाव केवल यह नहीं है कि कौन सार्वजनिक शक्तिशाली मॉडल बनाएगा, प्रश्न यह भी है कि इन मॉडलों की सीमाएं कौन तय करेगा, उनसे परीक्षण को स्वतंत्र व्यवस्था कौन करेगा और किसी गंभीर जोखिम की स्थिति में किसके पास हस्तक्षेप करने की वैश्विक शक्ति होगी। इस्तीफा केवल कंपनियों के स्वेच्छिक आत्म—नियमन पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं लगता। यह भी ध्यान रखना चाहिए कि एआई के विकास को रोक देना समझाना नहीं है। यही तकनीकी कैसर अनुसंधानों, नई दवाओं, वैज्ञानिक खोजों, शिक्षा, अपदा प्रबंधन और उत्पादकता में बड़ी भूमिका निभा सकती है। स्वयं संयुक्त राष्ट्र को मानव विकास के लिए असाधारण संभावनाओं वाले तकनीक मानता है।

## एनडीए से अलग होकर अब योगी से भिड़ेंगे मोदी के हनुमान, चिराग पासवान का यूपी प्लान

अभिनय  
मुझे शर्म आती है कि मैं इस सरकार के साथ हूँ.. प्रशासन पूरी तरह निकम्मा हो चुका है। यह किसी विपक्षी नेता का हमला नहीं, बल्कि केंद्र सरकार में मंत्री और खुद को

वही सम्राट चौधरी, जिन्हें सत्ता के शीर्ष तक पहुंचाने में चिराग का कंधा भी लगा था। ऐसे में बड़ा सवाल यही उठता है कि आखिर चिरागवासवान के मन में पक क्या रहा है? क्या यह सम्राट चौधरी के खिलाफ



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हनुमान  
एकले नाले चिराग पासवान का खुला  
कहाना—ए—जंग है। बिहार में बेलगाम  
अपराध और हालिया वारदातों पर  
चिराग के इन तब्बख़ तेवरों ने सूबे से  
लेकर दिल्ली तक के सियासी  
गलियारों में भूचाल ला दिया है।  
हैरानी इसलिए भी है क्योंकि जिस  
सरकार पर वह सवाल उठा रहे हैं।  
उसमें चिराग खुद हिस्सेदार हैं। जिस  
प्रशासन को वो निष्कर्ष बता रहे हैं।  
उसकी कमान सीधे सीमा और गृह  
मंत्री सम्राट चौधरी के हाथों में है।

सत्ता के भीतर से शुरू हुई कोई  
 सुनियोजित घेराबंदी है? या  
 इसकी पटकथा 2027 के उत्तर प्रदेश  
 विधानसभा चुनाव को देखते हुए लिखी  
 जा रही है? क्या बिहार में दबावा  
 बनाकर चिराग यूपी में बीजेपी की  
 अपनी शर्तों पर गठबंधन की जमीन  
 तलाश रहे हैं? अपनों पर ही चिराग  
 का यह तीखा वार महज  
 कानून-व्यवस्था पर गुस्सा है, या  
 फिर एनडीए के भीतर किसी बड़े  
 सिपायी खेल की शुरुआत? आइए  
 आज इस बगावती तेवर के पीछे की

## जल के लिए सहयोग- सामूहिक प्रयास का भारत का आह्वान

सी. आर. पाटिल

जल हमें उन तरीकों से जोड़ता है, जिनमें बहुत कम अन्य संसाधन जोड़ पाते हैं। नदियाँ प्रशासनिक सीमाओं को नहीं पहचानती। भूजल के स्रोत कई समुदायों की जरूरतें पूरी कर सकते हैं। आज होने वाली बारिश कल पीने के पानी, सिंचाई, भूजल या नदी के प्रवाह का आधार बनती है। इससे एक सरल लेकिन महत्वपूर्ण सिद्धांत सामने आता है—जल एक साझा संसाधन है और आज वाली पीढ़ियों के लिए इसे सुरक्षित रखना हमारी साझा जिम्मेदारी है। इसी भावना के साथ भारत 22 से 26 सितंबर 2026 तक नई दिल्ली में आयोजित होने वाले 9वें भारत अंतरराष्ट्रीय जल सप्ताह में वैश्विक जल समुदाय का स्वागत करेगा। इसका आयोजन जल शक्ति मंत्रालय कर रहा है। इस वर्ष की थीम है—जलवायु के प्रति लचीला जल प्रबंधन। जलवायु परिवर्तन के कारण जल चक्र लगातार अनिश्चित होता जा रहा है। ऐसे समय में यह विषय विशेष रूप से प्रासंगिक है। भारत अंतरराष्ट्रीय जल सप्ताह केवल एक सम्मेलन नहीं है। यह ऐसा मंच है, जहाँ सरकारें, विशेषज्ञ, उद्योग जगत, समुदाय और अंतरराष्ट्रीय साझेदार अपने अनुभव, तकनीक और विचार साझा कर सकते हैं तथा भविष्य के लिए साझेदारियाँ बना सकते हैं।

इसका उद्देश्य जल क्षेत्र से जुड़े हालािया विभागीय शिक्षर सम्मेलन की भावना और उससे मिली सीख को भी आगे बढ़ाना है। इस सम्मेलन का विचार माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने रखा था। इसमें भारत के विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशोंशासित प्रदेशों के नए नए एक साथ आकर जल क्षेत्र की चुनौतियों पर चर्चा की, अपने अनुभवों को साझा किए और आगे की राह तय करने पर विचार-विमर्श किया। भारत इस संवाद में बड़े स्तर पर जल और स्वच्छता से जुड़ी योजनाओं को लागू करने का व्यापक अनुभव लेकर आया है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीण भारत में 15.9 करोड़ से अधिक घरों तक नल से पानी पहुँचाया गया है। वर्ष 2019 में ऐसे घरों की संख्या 3.23 करोड़ थी। जल जीवन मिशन 2.0 का मुख्य उद्देश्य जलपूरति के बुनियादी ढाँचे को मर्रोसेमंजित सार्वजनिक सेवा व्यवस्था में बदलना है। इसके तहत ग्राम पंचायतों और उनकी (ग्रामज्वाएससी) पर स्वच्छता समितियों (ग्रीडस्वएससी) को ग्रामीण क्षेत्रों में जलपूरति सेवाओं के संचालन रखरखाव और निगरानी के लिए सशक्त बनाया जा रहा है। इन्हें स्थानीय स्तर पर छोटि जल सेवा इकाइयाँ के रूप में घुसित किया जा रहा है। रजल सेवा आकलनच ग्राम पंचायत

ने नैतृत्व में की जाने वाली एक डिजिटल पहल है। इसके तहत हर घर जल वाले गाँवों में पीने के पानी की नियमितता, पर्याप्तता, गुणवत्ता और स्थिरता का आकलन किया जाता है। यह पहल बुनियादी ढाँचा तैयार करने से आगे बढ़कर लगातार बेहतर जल संचय उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण बदलाव है। इसमें जनभागीदारी के माध्यम से ग्राम पंचायतों और गाँव की संस्थाओं को आमंत्रित किया गया है। नमामि गंगे कार्यक्रम के माध्यम से भारत ने गंगा और उसकी सहायक नदियों को पुनर्जीवित करने के लिए एक समग्र दृष्टिकोण अपनाया है। इसमें सीवेज से जुड़े बुनियादी ढाँचे और प्रदूषण कम करने के प्रयासों के साथ-साथ नदी के पर्यावरण को बहाल करने, जैव विविधता के संरक्षण और लोगों की भागीदारी पर भी ध्यान दिया गया है। इस कार्यक्रम के तहत 527 से अधिक परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है, जिनमें से 367 पूरी हो चुकी हैं। इनके माध्यम से प्रतिदिन 4,263 मिलियन लीटर सीवेज के शोधन की क्षमता तैयार की गई है। स्वच्छ भारत मिशन—ग्रामीण से भी एक महत्वपूर्ण सीख मिली है। ग्रामीण क्षेत्रों में 12 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण किया गया है। इससे केवल बुनियादी सुविधाओं का विस्तार ही नहीं हुआ,

कोई एक समाधान नहीं हो सकता। हिमालयी राज्य की जरूरतें किसी सूखे क्षेत्र से अलग होती हैं। इसी तरह, तेजी से बढ़ते शहर की चुनौतियाँ ग्रामीण समुदाय की चुनौतियों से अलग होती हैं। हमारे राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में विविध परिस्थितियों का कारण जल प्रबंधन का व्यापक अनुभव उपलब्ध है। इसमें भूजल का स्तर बढ़ाना, सिंचाई में पानी का बेहतर इस्तेमाल, पेयजल व्यवस्था का सामुदायिक प्रबंधन और इस्तेमाल किए जा चुके पानी का दोबारा उपयोग जैसे विषय शामिल हैं। जब इन अनुभवों को साझा किया जाता है, तो स्थानीय स्तर पर सफल रहे समाधान उन क्षेत्रों तक भी पहुँच सकते हैं, जहाँ उनकी शुरुआत नहीं हुई थी। यही सिद्धांत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी लागू होता है। जल सुरक्षा के सभी सवालों के जवाब किसी एक देश के पास नहीं हैं। हर देश के पास कुछ ऐसा अनुभव है, जिससे दूसरे देश सीख सकते हैं, और हर देश दूसरों से कुछ सीख सकता है। इसीलिए भारत अंतरराष्ट्रीय जल सप्ताह का उद्देश्य किसी पर समाधान थोपना नहीं, बल्कि साझेदारी को बढ़ावा देना है। इसमें जल प्रबंधन, तकनीक, वित्तपोषण और जलवायु संबंधी जोखिमों से निपटने के वैश्विक अनुभवों के साथ भारत के अपने अनुभवों पर भी चर्चा होगी। जल का प्रबंधन अलग-अलग करके नहीं किया जा सकता। जल सुरक्षा का सीधा संबंध खाद्य सुरक्षा, जनस्वास्थ्य, आजीविका, पर्यावरण सुरक्षा और सतत विकास से है। इसीलिए भारत अंतरराष्ट्रीय जल सप्ताह में नदी घाटियों और भूजल स्रोतों के प्रबंधन, इस्तेमाल किए जाने वाले पानी के पुनरुपयोग, पानी के कुशल इस्तेमाल, मौसम एवं जल संबंधी पूर्वानुमान, समय रहते चेतावनियाँ देने वाली प्रणालियों और नदियों में पर्यावरण के लिए आवश्यक जल प्रवाह जैसे विषयों पर चर्चा होगी। तकनीक इस बदलाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। बेहतर ऑनकोडिंग वैज्ञानिक मॉडलों और डिजिटल प्रणालियों की मदद से हम समझ सकते हैं कि पानी की उपलब्धता को किस तरह बदलाव हो रहा है, संभावित खतरों का पहले से अनुमान लगा सकते हैं और पानी का अधिक कुशलता से इस्तेमाल कर सकेंगे। लेकिन तकनीक का सबसे अधिक लाभ तभी मिलता है, जब वह सरकारों, स्थानीय संस्थाओं और समुदायों को बेहतर निर्णय लेने में मदद करे। यही वजह है कि इस क्षेत्र में काम करने वाले लोगों, नए उद्यमों और युवाओं की भागीदारी विशेष रूप से महत्वपूर्ण है।

अपने अनुभवों पर भी चर्चा होगी। जल का प्रबंधन अलग-अलग करके नहीं किया जा सकता। जल सुरक्षा का सीधा संबंध खाद्य सुरक्षा, जनस्वास्थ्य, आजीविका, पर्यावरण, सुरक्षा और सतत विकास से है। इसीलिए भारत अंतरराष्ट्रीय जल सप्ताह में नदी घाटियों और भूजल स्रोतों के प्रबंधन, इस्तेमाल किए जाने वाले पानी के पुनरुत्प्रेषण, पानी के कुशल इस्तेमाल, समय एवं जल संबंधी पूर्वानुमान, मौसम रहते चेतावनी देने वाली प्रणालियों और नदियों में पर्यावरण के लिए आवश्यक जल प्रवाह जैसे विषयों पर चर्चा होगी। तकनीक इस बदलाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। बेहतर ऑनकोडिंग वैज्ञानिक मॉडलों और डिजिटल प्रणालियों की मदद से हम समझ सकेंगे कि पानी की उपलब्धता को किस तरह बदलाव हो रहा है, संभावित खतरों का पहले से अनुमान लगा सकेंगे और पानी का अधिक कुशलता से इस्तेमाल कर सकेंगे। लेकिन तकनीक का सबसे अधिक लाभ तभी मिलता है, जब वह सरकारों, स्थानीय संस्थाओं और समुदायों को बेहतर निर्णय लेने में मदद करे। यही वजह है कि इस क्षेत्र में काम करने वाले लोगों, नए उद्यमों और युवाओं की भागीदारी विशेष रूप से महत्वपूर्ण है।



पुलिस मुठभेड़ में गौ-तस्कर घायल,  
चार गौवंश बरामद

बुरा प्रमुख  
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव  
जौनपुर। यूपी के जौनपुर में तेजीबाजार थाना क्षेत्र में गुरुवार देर रात पुलिस और गो-तस्करों के बीच मुठभेड़ हो गई। जवाबी कार्रवाई में पैर में गोली लगने से कब्जे आरोपी घायल हो गया, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उसके एक साथी से चार गोवंश, अथर्व असलहा और तरकरी में प्रयुक्त



गोडकर भगाने का प्रयास किया, लेकिन पिकअप खड़े में फंस गई। इसी दौरान मोटरसाइकिल सवार एक आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू की। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक गोली आरोपी के पैर में लगी और वह घायल होकर गिर पड़ा। अंधेरे का फायदा उठाकर अन्य आरोपी भी मौके से फरार हो गए। गिरफ्तार आरोपी की पहचान छोटू पुत्र सफुईन (22) निवासी रेवसा गांव, जनपद चंदौली के रूप में हुई है। पुलिस ने चंदौली पुलिस आरपी को उपचार के लिए अस्पताल भेजा। मामले में संस्थित थाना में मुकदमा दर्ज कर फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है।

## सेवा सकल्य अभयान क तहत विविध कार्यक्रम आयोजित



बूरो प्रमुख  
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव  
जौनपुर सेवा संकल्प अभियान  
के अंतर्गत जनपद में विभिन्न  
जनकल्याणकारी, जागरूकता एवं  
सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रमों  
का आयोजन किया जा रहा है। इसी  
क्रम में आज राष्ट्रपिता महात्मा गांधी  
एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर  
शास्त्री जी की जयंती के अवसर पर  
प्रेक्षागृह में विविध कार्यक्रम आयोजित  
किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य  
अतिथि मा० राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार)  
खेल एवं युवा कल्याण श्री गिरिश  
खन्नेल यादव एवं मा० एमएलसी श्री  
प्रजेश सिंह प्रिंशु द्वारा किया गया।  
इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों  
का पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत एवं  
सम्मान किया गया। इस अवसर पर  
मा० मंत्री श्री गिरिश चन्द्र यादव ने  
अपने उद्बोधन में कहा कि महात्मा  
गांधी जी एवं लाल बहादुर शास्त्री

जी का जीवन हम सभी के लिए  
प्रेरणास्रोत है। गांधी ने सत्य,  
अहिंसा, स्वच्छता और सेवा के माध्यम  
से समाज को नई दिशा दी, वहीं  
शास्त्री जी ने सादगी, ईमानदारी एवं  
राष्ट्रसेवा का अनुकरणीय उदाहरण  
प्रस्तुत किया। उनके आदर्शों को अपने  
जीवन में अपनाया ही उनके प्रति  
सच्ची श्रद्धाजलि है। उन्होंने कहा  
कि सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य युवा  
जनभागीदारी के माध्यम से समाज  
के प्रत्येक वर्ग तक सेवा और  
जनकल्याण की भावना को पहुंचाना  
है। उन्होंने युवाओं से राष्ट्र निर्माण में  
सक्रिय भूमिका निभाने तथा स्वच्छता,  
आत्मनिर्भरता और सामाजिक जिम्मेदारी  
के प्रति जागरूक रहने का आह्वान  
किया। कार्यक्रम के दौरान  
दिव्यंगजनों को ट्राईसाइकिल वितरित  
की गई। विद्यालय के छात्र-छात्राओं  
द्वारा महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर  
शास्त्री जी के जीवन एवं आदर्श पर

कर्मचारियों एवं बन्धियों द्वारा महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित किया गया।



बूरो प्रमुख  
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव  
जौनपुर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी की जयन्ती पर जिला कारागार जौनपुर में उपस्थित सभी कार्मिकों द्वारा सर्वप्रथम मुख्य द्वार पर सावधान की मुद्रा में राष्ट्रीय गीत श्वन्दे मातरम्श का गायन किया गया तत्पश्चात् जेल अधीक्षक पवन कुमार त्रिवेदी द्वारा ध्वजारोहण किया गया। उसके उपरान्त महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के चित्रों पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलन भी किया गया। तथा गांधी जी के प्रिय भजन श्रधुपुष्पा राघव राजा रामश का सामूहिक गायन किया गया। कारागार के सर्किल में अधीक्षक, चिकित्साधिकारी, कारापाल व कारागार के अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों एवं बन्दीयों द्वारा महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित किया

मौनी मंदिर प्रकरण में नया मोड़- समिति ने कहा, भूमि पर क्वोर्डे स्थगन आदेश नहीं, 17 नवंबर 2026 तक वैध है पट्टा

सुल्तानगढ़, (सवाईदाता)। शहर के सिविल लाइन्स स्थित श्री तुलसी सत्संग भवन समिति, 1044 से जुड़े मनीनी मंदिर प्रकरण में समिति की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के बाद मामला हाइकोर्ट बार फिर चर्चा में आ गया है।

**श्री दुर्गा पूजा महासमिति ने मनाया 48वां स्थापना दिवस संगठन की मजबूती में आपसी सहमति, सम्मान, समर्पण और त्याग जरूरी- संरक्षक मंडल**



बूरो प्रमुख  
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव  
जो नपूर। श्री दुर्गा पूजा  
महासमिति का 48वां स्थापना दिवस  
शुक्रवार को विसर्जन घाट स्थित  
नवदुर्गा के केंद्रीय कार्यालय  
महासमिति में समारोहपूर्वक  
मनाया गया। कार्यक्रम में महासमिति  
की स्थापना से लेकर वर्तमान स्वरूप  
तक के सफर और संगठन की मजबूती  
में पदाधिकारियों एवं सदस्यों के  
योगदान पर विस्तार से चर्चा की  
गई। संरक्षक मंडल के सदस्य  
निखिलेश सिंह, विंध्याचल सिंह और  
संतोष सिंह ने महासमिति की स्थापना  
से लेकर अब तक किए गए कार्यों  
पर प्रकाश डाला। कर्मचारी नेता  
निखिलेश सिंह ने कहा कि संगठन

को मजबूत बनाने के लिए आपसी सहमति, एक-दूसरे का सम्मान, सहर्षण और त्याग की भावना जरूरी है। उन्होंने कहा कि महासमिति ने समय-समय पर जिला प्रशासन से संवाद करते हुए दुर्गा पूजा से जुड़े संगठनों को एक मंच पर जोड़ने का कार्य किया है। इसी एकजुटता के कारण महासमिति आज इस मुकाम तक पहुंची है। उन्होंने वर्तमान अर्थ-युद्ध मनीष देव और महासचिव मनीषाकुमुल गुप्ता को बधाई देते हुए कहा कि संरक्षक मंडल के मार्गदर्शन और प्रबंध कार्यकारिणी के सहयोग से महासमिति अपने 50वें रजत जयंती वर्ष की ओर अग्रसर है। कार्यक्रम से पूर्व राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की

**जनपद मे धूमधाम एवं हषोल्लास से मनाई गई  
महात्मा गांधी जी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी जयंती**

ब्यूरो प्रमुख  
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव  
जौनपुर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी  
जी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर  
शास्त्री जी की जयंती पर जनपद में  
पूर्ण गरिमा, धूमधाम एवं हर्षोल्लास  
के साथ मनाई गई। इस अवसर पर  
जनपद भर में विभिन्न कार्यक्रमों का  
आयोजन किया गया। विभिन्न विभागों,  
शिक्षण संस्थानों, नगर निकायों एवं  
ग्राम पंचायतों द्वारा जयंती समारोहों  
में सहभागिता की गई। कलेक्ट्रेट  
परिसर में जिलाधिकारी श्री सैमुअल  
पाल एन. के द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा  
गांधी जी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी  
की के चित्रों पर मातृपंथ कर उन्हे  
श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान  
राम-धुन एवं विचार गोष्ठियों के  
माध्यम से दोनों महापुरुषों के जीवन,  
आदर्शों एवं राष्ट्र निर्माण में उनके  
योगदान को याद किया गया।  
जिलाधिकारी ने दोनों महापुरुषों को  
आदरपूर्वक नमन करते हुए उनके  
श्राद्धार्थ एवं चिरंतन को जीवन में  
आत्मसात करने का आह्वान किया।  
उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी जी  
ने सत्याग्रह और अहिंसा के माध्यम  
से देश को स्वतंत्रता की दिशा में  
आगे बढ़ाया। उनके विचार आज  
भी समाज और प्रशासन को सही  
दिशा में कार्य करने की प्रेरणा देते

**आधुनिक पुस्तकालय**

आधुनिक पुस्तकालय  
के निर्माण का डीएम ने  
लिया जायजा

बांदा, (संवाददाता)। डीएम पुलकित गर्ग ने राजकीय जिलास्तरीय पुस्तकालय कर्मी का निरीक्षण करने के लिए व्यवस्थाओं एवं प्रस्तावित नवीन आधुनिक पुस्तकालय के निर्माण कार्ययोजना की तैयारियों का जायजा लिया। नीति आयोग योजना के अंगर्गत लगभग सात करोड़ की लागत से कार्यवाही संस्था चित्रकूट विशेषक्षेत्र विकास प्राधिकरण द्वारा नवीन आधुनिक पुस्तकालय का निर्माण कराया जाना प्रस्तावित है। जिलाधिकारी ने मौके पर ले-आउट प्लान, ड्राइंग एवं डिजाइन का गहन अवलोकन करते हुए आर्किटेक्ट से भवन निर्माण के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। नवीन भवन में भूतल, प्रथम तल एवं द्वितीय तल का निर्माण प्रस्तावित है। इसमें कोचिंग, पुस्तकालय, कार्यालय तथा मल्टीपरपज हॉल आदि की व्यवस्था की जाएगी। डीएम ने निर्देश दिए कि आधुनिक पुस्तकालय की क्षमता 450 सीटों की रखी जाए। साथ ही

लिङ्गभ्रष्टाचार के लिए चुनौती पैदा हुई। बड़ा मन्त्रीपरपज हॉल, बच्चों के लिए किड्स फ्रेंडली प्ले रूम तथा पर्याप्त संख्या में टैब की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। प्रत्येक टेबल पर चार्जिंग प्वाइंट उपलब्ध कराने की भी निर्देश दिए। इसके पश्चात् टीडीएम ने कोशिश कुस्त एक वर्तमान राजकीय जिला पुस्तकालय का निरीक्षण किया।

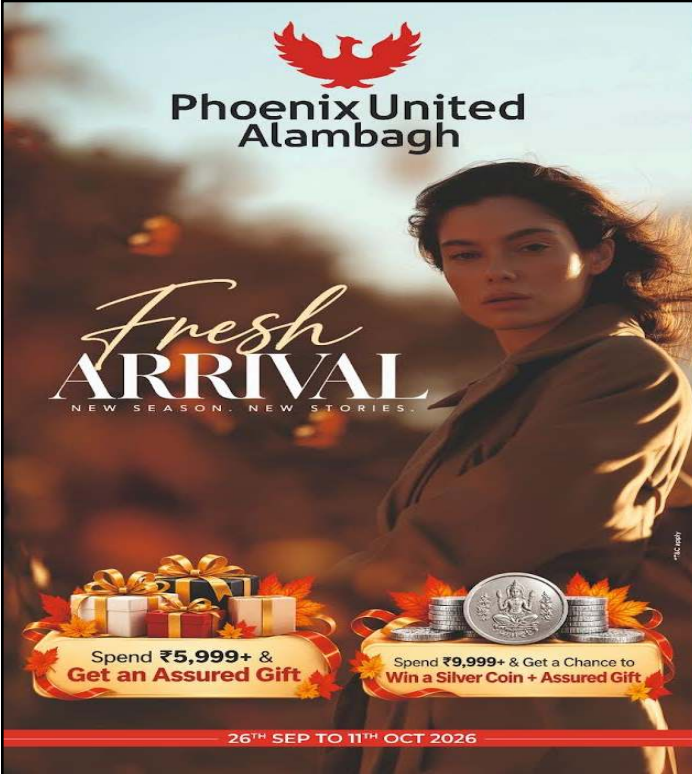
जयंती पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके बाद संरक्षक मंडल एवं विशिष्ट आमंत्रित सदस्यों को अध्यक्ष मनीष देव और महासचिव मनीष गुप्ता ने अंगवस्त्रम देकर सम्मानित किया। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ भी दिलाई गई। इस अवसर पर सोमनाथ आर्य, चंद्र प्रताप सोनी, विद्याचल सिंह, श्रीकांत माहेस्वरी, राधकृष्ण ओझा, राकेश श्रीवास्तव, अहिल अस्थाना, संजय सिंह, शशांक सिंह, राजू, मोतीलाल यादव, विजय सिंह बागी, लालचंद निषाद, अतुल सिंह, मुन्ना, विजय प्रताप सिंह, विवेक सिंह, आशीष गुप्ता, इंद्र तिहारी, विनय बारोटिया, ज्ञानेंद्र दुबे, दीपक श्रीवास्तव, प्रिंस तनेजा, सर्वेश यादव, नीरज श्रीवास्तव, रोहित निषाद, महेंद्र अग्रहरि, मुकुल यादव, विवेक जायसवाल सहित महासमिति के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। अंत में कोषाध्यक्ष संजय कुमार विश्वकर्मा ने सभी अतिथियों और सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। यह जानकार मीडिया प्रभारी विश्व प्रकाश श्रीवास्तव 'दीपक' ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी।

हैं। उन्होंने कहा कि गांधी जी का जीवन सादगी, सत्य, आत्मविश्वास और समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के हित में कार्य करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि किसी भी निर्णय अथवा कार्य को करने समय यह विचार अवश्य किया जाना चाहिए कि उसका सामान्य व्यक्ति के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ेगा। प्रशासनिक कार्यों का उद्देश्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ पहुंचाना होना चाहिए। यही स्वतंत्रता के वास्तविक मूल्यों में से एक है। जिलाधिकारी ने कहा कि भारत विभिन्न भाषाओं, संस्कृतियों और विविधताओं वाला देश है। महापुरुषों के विचार हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत हैं। लाल बहादुर शास्त्री जी ने सादगी, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा का उदाहरण प्रस्तुत किया तथा कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के महत्व को देश के सामने रखे। उन्होंने कहा कि आज हमें यह आत्मनिर्भरता करना चाहिए कि हम अपने साथ क्या लेकर चल रहे हैं और अपने पीछे समाज के लिए क्या छोड़कर जा रहे हैं। स्वच्छता, सादगी, सकारात्मक सोच और समाज के प्रति जिम्मेदारी को अपने जीवन का हिस्सा बनाकर ही

प्रतिमा के अनावरण के पश्चात राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री के चित्तों पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर रामधुन व भजन गाया गया।

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव  
जौनपुर। सिविल जज सी0डी0  
सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधि  
करण जौनपुर सुशील कुमार सिंह  
ने अवगत कराया है कि 02 अक्टूबर  
2026 को राष्ट्र पिता महात्मा गँ  
पी जी जयंती के अवसर पर जनपद  
न्यायालय परिसर, जौनपुर में गँ  
पी जी की मूर्ति का अनावरण तथा  
राष्ट्र के नाम मध्यस्थता अभियान  
3.0 के प्रचार-प्रसार हेतु गाँधीवादी  
दृष्टिकोण एवं मध्यस्थता (विवाद  
से संवाद तक) पर संगोष्ठी को  
आयोजन किया गया। आज दिनांक  
02.10.2026 को राष्ट्रपिता महात्मा  
गँधी व लालबहादुर शास्त्री की  
जयंती के अवसर पर जनपद  
न्यायालय परिसर, जौनपुर में  
राष्ट्रपिता महात्मा गँधी की मूर्ति  
का अनावरण माननीय जजपद  
न्यायाधीश द्वारा फीता काटकर  
मूर्ति पर माल्यार्पण कर किया  
गया।। इस अवसर पर श्रीमती प्रीति  
श्रीवास्तव प्य, प्रधान न्यायाधीश  
परिसर न्यायालय, जौनपुर, श्री  
अनिल कुमार यादव-अपर जिला  
एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम, नोडल  
अधिकारी मध्यस्थता अभियान,  
जौनपुर, श्री रणजीत कुमार, अपर  
जिला एवं सत्र न्यायाधीश विशेष  
न्यायाधीश एस0सी0एस0सी0 एक्ट  
नोडल अधिकारी लोक अदालत,  
जौनपुर, श्री लालचन्द्र जौनपुर, अ  
यम, स्थायी लोक अदालत, जौनपुर,  
श्रीमती श्वेता यादव, मुख्य न्यायिक  
मजिस्ट्रेट, जौनपुर, श्री सौरभ

फीनिक्स यूनाइटेड लखनऊ में फेस्टिव सीजन  
के लिए शुरू हुआ 'फ्रेश अराइवल' कैंपेन



और साथ वक्त बिताने का समय होता है। 'फ्रेश अराइवल' के जरिए हम अपने ग्राहकों की शॉपिंग को और खास बनाना चाहते हैं। हमारी कोशिश

महापुरुषों के आदर्शों को वास्तविक रूप से अपनाना या सकता है। इस अवसर पर मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अम्बष्ट, नगर मजिस्ट्रेट महिपाल सिंह, पूर्व कलेक्ट्रेट कर्मचारी संघ के अध्यक्ष शिवमोहन श्रीवास्तव तथा वर्तमान अध्यक्ष विजय प्रताप सिंह ने दोनों महापुरुषों के चित्रों पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके जीवन, आदर्शों एवं विचार निर्माण में योगदान पर अपने विचार व्यक्त किए। खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग द्वारा खादी के प्रचार-प्रसार के लिए विशेष प्रदर्शनी लगाई गई तथा इस अवसर पर जिलाधिकारी द्वारा स्वयं चरखा चलाकर खादी एवं स्वदेशी वस्त्रों के प्रति लोगों को प्रेरित किया गया। जिलाधिकारी ने प्रदर्शनी में खादी की खरीदारी की तथा आमजन से खादी एवं ग्रामोद्योग से जुड़े उत्पादों को अपनाने और खादी पहनने का आह्वान किया। जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, मुख्य राजस्व अधिाकारी के द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर में चरखा पौधरोपुट किया गया। कार्यक्रम का संचालन आशीष त्रिपाठी द्वारा किया गया। कलेक्ट्रेट में आयोजित कार्यक्रम के उपरांत खरका तिरहा स्थित महान्मा गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। जिलाधि

है कि यहां आने वाले लोगों को खरीदारी के साथ एक अच्छा अनुभव मिले। फीनिक्स यूनाइटेड लखनऊ में शॉपिंग के साथ खाने-पीने और मनोरंजन की

भी सुविधाएं हैं। इस फेस्टिव सीजन के दौरान ग्राहक अपने परिवार और दोस्तों के साथ खरीदारी के साथ क्वालिटी टाइम भी बिता सकते हैं।



कारा, मुख्य विकास अधिकारी धरुव खण्डिया द्वारा सैध अलीपुर स्थित वृद्धाश्रम में विद्यालय के बच्चों के स्वास्थ्य बुगुणों को फल वितरित किए गए तथा उनके स्वास्थ्य एवं उपलब्धता सुविधाओं की जानकारी ली गई। कार्यक्रम के दौरान बुगुणों से संवाद कर उनकी आवश्यकताओं के बारे में उनकी जानकारी प्राप्त की गई। इसी क्रम में प्रातः 09:00 बजे जनपद के प्रमुख राजकीय भवनों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। जिले की परिसर वस्तियों एवं सार्वजनिक स्थलों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। साफ—सफाई के साथ चूने का

छिड़काव कराया गया। विभिन्न स्थानों पर स्वास्थ शिविर एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इससे साथ ही विकास भवन में मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया जी अध्यक्षता में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती पर पुष्प अर्पित कर माल्यार्पण किया गया साथ ही गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त उपजिलाधिकारी, जिला सूचना अधिकारी मनोकामना राय, अप्रत्यक्ष्यक कल्याण अधिकारी अनिता सहित अन्य अधिकारीगण और कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

ण के पश्चात राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व लाल बहादुर  
शर्मा श्रद्धा सुमन अर्पित कर रामधुन व भजन गाया गया।



इत्यादि, मध्यस्थगण, लीगल एड डिफेंस काउंसिल, पैनल अधिवक्ता, अन्य चाचरीगण, पीओएल0वी0गण व अन्य उपस्थित रहे। प्रतिमा के अनावरण के पश्चात राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी व लाल बहादुर शास्त्री के चित्रों पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर रामधुन व भजन गाया गया। उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार पाक्सो अधिनियम, 2012 के संबंध में जागरूकता हेतु माननीय जनपद न्यायाधीश महोदय श्री सुशील कुमार शर्मा, माननीय जनपद न्यायाधीश प्रहलाद अश्वि, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जौनपुर द्वारा झण्डी दिखाकर प्रभात फेरी निकाली गयी। उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार राष्ट्र के नाम मध्यस्थता अभियान 3.0 के प्रचार-प्रसार हेतु नेहरू बालोद्यान सीनियर सेकेंडरी स्कूल, जौनपुर के बच्चों द्वारा प्रभात फेरी निकाली गयी जिसको माननीय जनपद न्यायाधीश द्वारा हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। माननीय जनपद

न्यायाधीश महोदय की अध्यक्षता में “गॉंधीवादी दृष्टिकोण एवं मध्यस्थता (विवाद से संवाद तक)” पर विचार-विमर्श का संगोष्ठी का आयोजन किया गया। उक्त संगोष्ठी में वीर बहादुर सिंह, पूर्वांचल विश्वविद्यालय की 010डी0 लॉ कालेज, उमानाथ सिंह द्वारा प्रलेखन, जौनपुर के विचार छात्रों द्वारा प्रतिभाग किया गया। दीवानी न्यायालय अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष श्री अवधेश सिंह, मंत्री मनीष कुमार सिंह, वरिष्ठ अधिवक्ता दिनेश प्रताप सिंह, प्रेमशंकर मिश्र, जयप्रकाश सिंह, अब्दुल हक, दीपचन्द्र राम, ब्रजभूषण सिंह इत्यादि द्वारा अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया गया। बार के अध्यक्ष श्री अवधेश सिंह द्वारा कथन किया गया कि अधिवक्ता मात्र विधि व्यवसायी ही नहीं बल्कि समाज का प्रहरी है। जयप्रकाश सिंह द्वारा त्रेतायुग व द्वापरयुग में भगवान राम के दूत अंगद व श्री कृष्ण द्वारा की गयी मध्यस्थता का वर्णन किया गया। माननीय जनपद न्यायाधीश महोदय द्वारा अपनी अध्यक्षीय उद्बोधन में घर के बुजुर्गों

द्वारा मध्यस्थता के माध्यम से मामले के निस्तारण में किये जाने योगदान पर प्रकाश डाला गया। माननीय जनपद न्यायाधीश महोदय द्वारा मध्यस्थता न्यायालय में लंबित मामलों के निस्तारण में अत्यधिक उपयोगी है यह पक्षकारों को सस्ते व सुलभ व शीघ्र न्याय प्राप्त कराने का एक माध्यम है। मध्यस्थता को द्वारा मामले के निस्तारण किये जाने पर किसी भी पक्ष की हार व जीत नहीं होती है व सभी पक्षों आपसी संबंध मधुर बने रहते हैं। इस अवसर पर माननीय जनपद न्यायाधीश महोदय द्वारा जनपद जौनपुर में 4 दशक के अधिकार पुराने मामलों को मध्यस्थता के माध्यम से निस्तारित कराने वाले न्यायिक अधिकारी श्रीमती दिव्य भारती, वरिष्ठ अधिवक्ता श्री वशिष्ठ नारायण शुक्ला, शीतला प्रसाद सिंह, विकास शुक्ला अधिवक्ता मध्यस्थता श्री सैयदजद जरगाम अहसन को प्रशस्ति पत्र तथा पक्षकारों को गौरी जी का चित्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

## गांधी–शास्त्री जयंती पर पुलिसकर्मियों ने लिया आदर्शों पर चलने का संकल्प



अयोध्या। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर महिला थाना परिसर में श्रद्धा और देशभक्ति के साथ कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस

मौके पर कार्यवाहक महिला थाना प्रभारी श्वेता राठौड़ ने ध्वजारोहण कर दोनों महापुरुषों के चित्र पर माल्यार्पण किया। इस मौके पर ‘रघुपति राघव राजा राम’, ‘वैष्णव

## गांधी-शास्त्री जयंती पर एकता -अखंडता के लिए एसपी ग्रामीण ने पुलिस कर्मियों को दिलाई शपथ



अयोध्या। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं देश के पूर्व प्रधानमंत्री लाल

बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर शुक्रवार को रिजर्व पुलिस लाइन

## सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत मेडिकल कॉलेज जौनपुर में महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री को श्रद्धांजलि



संवाददाता प्रवीण कुमार अस्थाना जौनपुर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 02 अक्टूबर, 2026 को उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं भारत के पूर्व प्रध्ानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा एवं स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्रधानाचार्य प्रो. (डॉ. ) आर.बी. कमल के नेतृत्व में सेवा संकल्प अभियान के नोडल डा0 अनुज सिंह एवं स्वच्छता अभियान के नोडल डा0 विनोद कुमार तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम नोडल डा0 प्रियंका सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति तथा विशिष्ट अतिथि भाजपा युवा मोर्चा के उपाध्यक्ष शशांक सिंह ‘सानू’ एवं संयोजक मनीष चौरसिया रहे। प्रधानाचार्य ने मुख्य अतिथियों का स्वागत किया। इसके पश्चात मुख्य अतिथियों एवं चिकित्सा शिक्षकों द्वारा दीप प्रज्वलित किया गया तथा महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। मुख्य अतिथि अजीत प्रजापति ने महात्मा गांधी के सत्य एवं अहिंसा के सिद्धांतों को स्मरण करते हुए कहा कि गांधीजी ने स्वतंत्रता आंदोलन में हिंसा एवं संघर्ष के स्थान पर सत्य, अहिंसा और शांतिपूर्ण मार्ग को अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि गांधीजी का जीवन हमें शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से अपने लक्ष्य प्राप्त करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने लाल बहादुर शास्त्री के ‘जय जवान, जय किसान’ का संदेश को देश का भविष्य बताते हुए कहा कि युवाओं के भीतर अपार ऊर्जा

जान तो तेने कहिए’ सहित अन्य देशभक्ति गीतों से थाना परिसर गुंज उठा। उन्होंने कहा कि गांधी जी ने सत्य, अहिंसा, शांति और त्याग का संदेश दिया,जबकि लाल बहादुर शास्त्री ने सादगी, ईमानदारी और राष्ट्रसेवा की मिसाल कायम की। दोनों महापुरुषों का सादगीपूर्ण जीवन आज भी सभी के लिए प्रेरणास्रोत है।कार्यवाहक थाना प्रभारी ने पुलिस कर्मियों को दोनों महापुरुषों के आदर्शों को जीवन और कर्तव्य में अपनाने तथा उनके बताए मार्ग पर चलने की शपथ दिलाई।इस अवसर पर महिला उप निरीक्षक सोनी, प्रिया, सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

अयोध्या में कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम में एसपी ग्रामीण राधे श्याम राय ने दोनों महापुरुषों के चित्रों पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।कार्यक्रम मे सलामी दिया गया।इस मौके पर इन दोनों महापुरुषों द्वारा किये गये देश के प्रति योगदान को स्मरण किया गया।इस मौके पर एसपी ग्रामीण श्री राय ने उपस्थित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के आदर्शों एवं सिद्धांतों पर चलने के लिए शपथ दिलाया।

इस कार्यक्रम का संदेश केवल श्रद्धांजलि तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि हमें गांधीजी और शास्त्रीजी के आदर्शों को अपने कार्य

व्यवहार में उतारने का संकल्प लेना चाहिए। मरीज की सेवा को प्राथमिकता देना, अस्पताल में स्वच्छता बनाए रखना, जरूरतमंदों के प्रति संवेदनशील रहना और अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने सभी चिकित्सकों, चिकित्सा शिक्षकों, नर्सिंग स्टाफ, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे सेवा, स्वच्छता, अनुशासन और मानवता की भावना के साथ कार्य करते हुए उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय को उत्कृष्ट चिकित्सा सेवा का केंद्र बनाने में अपना योगदान दें। कार्यक्रम के दौरान डा0 पूजा पाठक द्वारा अंगदान की शपथ भी दिलाई गई। उपस्थित चिकित्सकों, कर्मचारियों एवं छात्र–छात्राओं को अंगदान के महत्व के बारे में जानकारी देते हुए समाज में अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने और अधिक से अधिक लोगों को इसके लिए प्रेरित करने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अतिथियों एवं चिकित्सा शिक्षकों द्वारा स्वच्छता अभियान के अंतर्गत परिसर में श्रमदान कर साफ–सफाई की गई। इस दौरान सभी ने स्वच्छता के महत्व को आत्मसात करते हुए अपने आसपास स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण बनाए रखने तथा नियमित रूप से स्वच्छता गतिविधियों में सक्रिय भागीगता निभाने का संकल्प लिया। इस पहल के माध्यम से स्वच्छता को केवल एक अभियान तक सीमित न रखकर इसे दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर चीफ प्रक्टर प्रो0 रुचिरा सेठी, डा0 लो0 कर्नल सीबीएस पटेल, डा0 सरिता पाण्डेय, डा0 अरविन्द पटेल, डा0 जितेन्द्र कुमार, डा0 मुदित चौहान, डा0 चन्द्रभान, डा0 विनोद वर्मा, डा0 संजीव यादव, डा0 नवीन कुमार, डा0 आशुतोष सिंह, डा0 इमरान, डा0 रोहित सरोज, डा0 अर्चना चौधरी, डा0 दिनेशका साव, डा0 प्रतिभा सिंह, डा0 पंकज कुमार, डा0 मिथिलेश सिंह, डा0 दीपक कुमार, डा0 आसिया मेहदी, डा0 संदीप सिंह एवं अन्य चिकित्सा शिक्षक, कर्मचारी व छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

## ’एसडीएम ने महात्मा गांधी एवं शास्त्री की जयंती पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया नमन’



‘रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव’ ‘पाली(हरदोई)’ 2अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रध्ानमंत्री भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के पावन अवसर पर एस-डीएम शिवानी सिंह ने दोनों महान विभूतियों के चित्र पर माल्यार्पण

व पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन कर बड़े ही श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ जयंती मनाई। तत्पश्चात उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने दोनों महान विभूतियों के चित्र पर पुष्प अर्पित उन्हें श्रद्धा भाव के साथ नमन किया। इस अवसर पर

## लोकतांत्रिक मूल्यों के क्षितिज रहे राष्ट्रपिता गांधी – महापौर



(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) अयोध्या। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जयंती पर नगर निगम कार्यालय

में ध्वजारोहण के बाद आयोजित कार्यक्रम में महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने कहा कि पूरी दुनिया ने गांधी के सत्याग्रह की बदौलत अपने अधि कारों एवं स्वतंत्रता के लिए लड़ना

## सोसाइटी में आवारा कुत्तों का आतंक, 3000 टैक्स, 2500 कूड़ा शुल्क के बाद भी नहीं उठता कचरा

गोरखपुर, (संवाददाता)। मोहदीपुर स्थित कंचन टावर सोसाइटी के निवासी कई समस्याओं से जूझ रहे हैं। सुविधाओं के लिए शुल्क देने के बावजूद उन्हें परेशानी हो रही है। इन्में आवारा कुत्तों का उत्पात, अनियमित कूड़ा उठान और सीमित पार्किंग मुख्य हैं। सोसाइटी के लोगों ने नगर निगम में शिकायतें की हैं लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई है। कंचन टावर सोसाइटी का निर्माण वर्ष 2016 में हुआ था। 43 प्लैट हैं। करीब 300 लोग रहते हैं। यहां हर साल चुनाव होता है और वर्तमान में शिव कुमार केडिया अध्यक्ष हैं। अभिषेक दुबे सचिव के रूप में टॉवर की जिम्मेदारी संभालते हैं। निवासियों का कहना है कि दिए गए शुल्क के हिसाब से सुविध्ाएं नहीं मिलती हैं। सोसाइटी में बच्चों के खेलने के लिए कोई ग्राउंड नहीं है। बुजुर्गों के बैठने या टहलने की भी कोई सुविधा नहीं है। बच्चे कॉमन एरिया और पार्किंग में खेलने को मजबूर हैं। कॉमन एरिया में पानी का कनेक्शन भी नहीं है, जिससे लोगों को पानी खरीदकर लेना पड़ता है। करीब एक साल से सोसाइटी आवारा कुत्तों का घर बनी हुई है। कुत्ते पूरे दिन कॉमन एरिया में घूमते रहते हैं। इससे बच्चों और बुजुर्गों को आना–जाने में डर लगता है।

कई बार कुत्ते गाड़ियों के नीचे बैठे रहते हैं। सोसाइटी के नीचे घूमने में भी निवासियों को डर महसूस होता है। सोसाइटी के पदाधिकारियों ने निगम में शिकायत की थी। नगर निगम की टीम एक बार देखकर चली गई और कोई कार्रवाई नहीं हुई। अनियमित कूड़ा उठान और पार्किंग समस्यानिवासियों के अनुसार, 3 बीएचके प्लैट का किराया 18 से 20 हजार रुपये है। इसके अतिरिक्त हर महीने तीन हजार रुपये कर और ढाई हजार रुपये कूड़ा शुल्क लिया जाता है। इसके बावजूद कूड़ा नियमित रूप से नहीं उठाया जाता है। कई बार दो–दो दिन तक कचरा पड़ा रहता है। गेट के सामने कूड़ा जमा होने से निवासियों को परेशानी होती है। निगम की टीम अपने ही समय पर आती है, भले ही कूड़ा चार दिन तक पड़ा रहे।

### ओबीसी की मांगों को लेकर पांच अक्तूबर को होगा राजभवन घेराव

गोरखपुर, (संवाददाता)। जिला कांग्रेस कमेटी पिछड़ा वर्ग के जिलाध्यक्ष अशोक कुमार निषाद और प्रदेश महासचिव व गोरखपुर–महाराजगंज प्रभारी देवेंद्र कुमार निषाद धनुष ने कहा कि ओबीसी समाज अपने हक और हिस्सेदारी के लिए लगातार संघर्ष कर रहा है। उन्होंने कहा कि आबादी के अनुपात में आरक्षण, शिक्षा, नौकरी और सरकारी संसाध्ानों में हिस्सेदारी के साथ ओबीसी समाज की सुरक्षा के लिए अलग अत्याचार निवारण कानून जरूरी है। देवेंद्र कुमार निषाद ने आरोप लगाया कि भाजपा और उसके सहयोगी दलों के ओबीसी नेताओं ने समाज के हितों से जुड़े मुद्दों को पीछे छोड़ दिया है।

### ऑटो में सवारी बनकर बैठी महिलाओं ने महिला के पर्स से उड़ाए गहने

गोरखपुर, (संवाददाता)। ऑटो में सवारी बनकर बैठी महिलाओं और उनके साथ मौजूद लोगों पर महिला के पर्स से लाखों रुपये के सोने के गहने चोरी करने का आरोप लगा है। घटना 25 सितंबर की दोपहर की है। पीड़िता को चोरी की जानकारी ज्वेलर्स शोरूम पहुंचने के बाद पर्स खोलने पर हुई। तहरीर के आधार पर कैंट पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गुलरिहा क्षेत्र की सदगुरु कॉलोनी निवासी सावित्री सिंह ने बताया कि वह पति के साथ जेवर एक्सचेंज कराने के लिए गोलघर स्थित शोरूम जा रही थी। दोनों करीब 3रु15 बजे रेजीडेंसी अस्पताल के सामने से ऑटो में बैठे। मेडिकल कॉलेज के पास ऑटो रुका तो एक पुरुष, दो महिलाएं और करीब 12 वर्षीय लड़का सवारी के रूप में बैठे। पीड़िता के अनुसार, लड़का बीमार जैसा लग रहा था। एक महिला उसे गोद में बैठाए थी। आरोप है कि महिला और लड़का बार–बार उसके पैर दबा रहे थे। कुछ देर बाद तीन लोग एचएन सिंह के पास और एक पुरुष काली मंदिर के पास उतर गया। इसके बाद वह ज्वेलर्स शोरूम पहुंची। पर्स खोलने पर चेन खुली मिली और उसमें रखे गहने गायब थे। पीड़िता के मुताबिक, चोरी हुए गहनों में तीन सोने की चेन, दो अंगूठियां, एक लॉकेट और कान का जेवर शामिल है। उसने ऑटो में साथ बैठी महिला पर गहने निकालने का शक जताया है। थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

### गांधी–शास्त्री जयंती पर आरपीएफ कर्मियों ने चलाया स्वच्छता अभियान

अयोध्या।राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर शुक्रवार को अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन परिसर में आरपीएफ की ओर से स्वच्छता अभियान चलाया गया।इस मौके पर प्रभारी निरीक्षक हरीश कुमार शाही के नेतृत्व में आरपीएफ कर्मियों ने कार्यालय व स्टेशन परिसर में साफ–सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया।स्वच्छता अभियान के बाद प्रभारी निरीक्षक ने पुलिसकर्मियों को महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के आदर्शों एवं बताए गए मार्ग पर चलने की शपथ दिलाई।उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ने सत्य, अहिंसा, शांति और एकता के सिद्धांतों को अपने जीवन में अपनाकर देश को नई दिशा दी।वहीं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री सादगी, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के प्रतीक थे।उन्होंने कहा कि दोनों महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेकर समाज और राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि है।इस मौके पर आरपीएफ महिला उप निरीक्षक रचना यादव,एसएसआई डीपी सिंह समेत आरपीएफ के अन्य कर्मी मौजूद रहे।

### कर बकायेदारों पर नगर निगम ने 11 प्रतिष्ठानों पर की कार्यवाई

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर) अयोध्या।बकाया गृह एवं जलकर की वसूली को लेकर नगर निगम ने अयोध्या धाम और अयोध्या कैंट क्षेत्र में अभियान चलाकर 11 कर बकायेदारों के भवनों व प्रतिष्ठानों के खिलाफ कुर्की संबंधी कार्रवाई की।इन पर कुल 74 लाख 48 हजार 336 रुपये का कर बकाया था। कार्रवाई के दौरान 14 लाख 54 हजार 939 रुपये की धनराशि जमा कराई गई।मुख्य कर निर्धारण अधिकारी गजेन्द्र कुमार ने बताया कि कार्रवाई की जद में होटल समेत विभिन्न व्यावसायिक प्रतिष्ठान और भवन शामिल रहे। बकाया कर की वसूली के लिए भवन स्वामियों और प्रतिष्ठान संचालकों के खिलाफ नियमानुसार प्रक्रिया अपनाई गई।एक मामले में संबंधित पार्सद ने तीन दिन में बकाया कर जमा कराने का आश्वासन दिया,जबकि एक बकाएदार की दुकान बंद मिली, जिसे कार्रवाई के दौरान चिन्हित किया गया।कार्रवाई के दौरान मुख्य कर निर्धारण अधिकारी, कर निर्धारण अधिकारी, जौनल अधिकारी और संबंधित राजस्व निरीक्षक मौजूद रहे।अपर नगर आयुक्त सुमित कुमार ने करदाताओं से समय से गृह एवं जलकर जमा करने की अपील की।उन्होंने कहा कि बकाया कर की वसूली के लिए नियमानुसार कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

### ‘शाहाबाद में गांधी व शास्त्री जयन्ती पर हुआ भव्य कार्यक्रम का आयोजन’

‘रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव’ ‘हरदोई’ कस्बे में स्थित तेज मेमोरियल पब्लिक स्कूल में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं भारत के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न लालबहादुर शास्त्री की जयंती के पावन अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम



का आयोजन किया गया। इस आयोजन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपजिलाधिकारी शाहाबाद अकित तिवारी रहे।

### स्टेशन जाने वाली सड़कें बदहाल दो फीट गहरे गड्ढे में गिर रहे रात्री

भदोही, (संवाददाता)। जिले के प्रमुख रेलवे स्टेशनों की तरफ जाने वाले रास्ते खराब हैं। गड्ढों से भरे इन रास्तों पर लोग हिचकोले खाते हुए लोग जा रहे हैं। डेढ से दो फीट गहरे गड्ढे बन गए हैं। जहां सड़क बनी भी है तो उसके दोनों तरफ पटरी ही नहीं बनाया गया है। जिससे सड़क पटरी से ऊंची हो गई। हर दिन 10 हजार लोगों को मुश्किलों के बीच सफर करना पड़ रहा है। जिले में ज्ञानपुर रोड, भदोही, परसीपुर, सुरियावां और माधोसिंह, सरायकंसराय जैसे प्रमुख रेलवे स्टेशन है। इसमें ज्ञानपुर रोड, सुरियावां, भदोही और परसीपुर जैसे स्टेशनों पर हर दिन कम से कम 15 से 20 हजार लोग यात्रा करने पहुंचते हैं। इन स्टेशनों पर हर दिन 15 ट्रेनों का आना–जाना होता है। वहीं छह से अधिक ट्रेनों का स्टॉपेज भी होता है। हमारी टीम ने बुधवार को स्टेशन जाने वाले मार्गों की हकीकत देखी। जिसमें जिले के सबसे प्रमुख रेलवे स्टेशन भदोही की सड़क सबसे खराब मिली। वहीं दूसरे प्रमुख स्टेशन ज्ञानपुर रोड जाने वाली सड़क तो बनाई गई, लेकिन दोनों तरफ पटरियां गायब हैं। भदोही रेलवे स्टेशन की तरफ जाने वाला मार्ग बदहाल है। जेशनल तिराहे से आगे सिविल लाइन होते हुए पकरी फाटक की तरफ जाने वाली एक किमी की सड़क पर 80 से 90 बड़े–बड़े गड्ढे हैं। इस रोड पर बिजली निगम वकंशाप कार्यालय, स्कूल है। यह मार्ग कई गांवों को जोड़ता है।

### 4 बार कार्यादारी संस्था को लिखा पत्र फिर भी नहीं बनी मशीन

भदोही, (संवाददाता)।दो से ढाई लाख लोगों को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध ा कराने वाले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सुरियावां में दो माह से सिलेक्ट्रा मशीन खराब है। इससे मरीजों को खून की जांच कराने में परेशानी हो रही है। मरीज निजी लैब का रुख करने को मजबूर है। मशीन दुरुस्त कराने के लिए अस्पताल प्रशासन ने चार बार कार्यदायी संस्था को पत्र भी लिखा चुका है। सुरियावां सीएचसी पर रोजाना 300 की ओपीडी होती है। इसमें 100 से अधिक मरीजों को जांच की जरूरत पड़ती है। मरीज अशोक कुमार ने बताया कि सुविधा न होने के कारण उन्हें बाहर का रुख करना पड़ रहा है।

| सान्ध्य हिन्दी दैनिक                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                  | देश की उपासना |
|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------|
| <p>स्वात्वाधिकारी में, प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।</p> <p>सम्पादक</p> <p>श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव</p> <p>मो0 – 7007415808, 9415034002</p> <p>Email - <a href="mailto:deshkiupasanadailynews@gmail.com">deshkiupasanadailynews@gmail.com</a></p> |               |
| <p>समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।</p>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    |               |